प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला भारत भर में 200 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा

- अप्रेंटिसशिप मेला के माध्यम से अब तक 67,035 जॉब ऑफर की गई है
- रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए मेले में 36 से अधिक इंडस्ट्रीज़, 500 से अधिक ट्रेड्स और 1000 से अधिक बिज़नेससीज़ शामिल होंगे

नई दिल्ली, 09 जुलाई 2022: कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) कैरियर के अवसरों और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग को बढ़ावा देने के लिए माननीय प्रधानमंत्री के स्किल इंडिया मिशन के हिस्से के रूप में 11 जुलाई, 2022 को प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित करेगा। अप्रेंटिसशिप मेले में अब तक 1,88,410 आवेदकों ने भाग लिया है और प्लेटफॉर्म पर आज तक 67,035 जॉब ऑफर की गई है। एक दिवसीय कार्यक्रम में 36 सेक्टर, 1000 से अधिक कंपनियां और 500 अलग-अलग प्रकार के ट्रेड शामिल होंगे। एमएसडीई 200 से अधिक स्थानों पर इस कार्यक्रम की मेजबानी करेगा, जिससे आवेदकों को अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के माध्यम से अपने करियर को आकार देने का अवसर मिलेगा।

अप्रेंटिसशिप मेले में भाग लेने के लिए उम्मीदवारों के पास 5वीं-12वीं पास सर्टिफिकेट्स, एक स्किल ट्रेनिंग सर्टिफिकेट, एक आईटीआई डिप्लोमा या ग्रेजुएट डिग्री होनी चाहिए। इसके अलावा, युवा और महत्वाकांक्षी वर्कफोर्स वेल्डिंग, इलेक्ट्रिकल वर्क, हाउसकीपिंग, ब्यूटीशियन, मैकेनिक वर्क आदि जैसे 500 से अधिक ट्रेडों में से चुनने में सक्षम होंगे। उम्मीदवार प्रशिक्षण के बाद अपनी रोजगार क्षमता में सुधार करते हुए नेशनल काउंसिल फॉर वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (एनसीवीईटी) से मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र भी अर्जित करेंगे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कंपनियों को अधिक अप्रेंटिस को नियुक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है, साथ ही प्रशिक्षण और प्रैक्टिकल स्किलसैट के माध्यम से एम्प्लॉयर को उनकी क्षमता का पता लगाने और विकसित करने में सहायता करना है।

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के सचिव श्री राजेश अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, "हमें उम्मीद है कि अप्रेंटिसशिप मेला देश भर में प्रतिभाशाली व्यक्तियों के लिए अतिरिक्त रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। जबकि इन कार्यक्रमों का प्राथमिक उद्देश्य अधिक से अधिक अप्रेंटिस की भर्ती करना है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए इस तरह की अप्रेंटिसशिप आवश्यक हैं, जिसके लिए हम यहां प्रयास कर रहे हैं। इसका एक महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है, जैसा कि देश भर में अप्रेंटिसशिप की बढ़ती संख्या और उनके सफल निष्पादन से देखा जा सकता है।"

कौशल विकास के तहत अप्रेंटिसशिप सबसे टिकाऊ मॉडल है और स्किल इंडिया के तहत इसे बड़ा बढ़ावा मिल रहा है। हाल ही में अप्रेंटिस के पहले समूह ने नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम (एनएपीएस) के तहत डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से अपने खातों में वजीफा सब्सिडी प्राप्त की है।

पीएम नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला में भाग लेने वाली कंपनियों के पास एक ही मंच पर संभावित अप्रेंटिस से मिलने और आवेदकों को ऑन-द-स्पॉट ही चुनने का अवसर है। इसके अलावा, आयोजन के दौरान कम से कम चार कर्मचारियों वाले छोटे पैमाने के उद्यम कार्यक्रम के दौरान अप्रेंटिस को नियुक्त कर सकते हैं। भविष्य के एकेडमिक कोर्सेज़ के लिए शिक्षार्थियों द्वारा एकत्र किए गए विभिन्न क्रेडिट के डिपॉजिटरी के साथ शीघ्र ही एक क्रेडिट बैंक विचार भी जोड़ा जाएगा।

हर महीने, अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया जाएगा जहां चयनित व्यक्तियों को न्यू स्किल्स प्राप्त करने के लिए सरकारी मानदंडों के अनुसार मासिक वजीफा प्राप्त होगा, जिससे उन्हें सीखने के दौरान कमाई करने का अवसर मिलेगा।

व्यक्ति https://dgt.gov.in/appmela2022/ या https://www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाकर मेले के लिए पंजीकरण करा सकते हैं और मेला के निकटतम स्थान का पता लगा सकते हैं।

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के बारे में

एमएसडीई का गठन 9 नवंबर 2014 को भारत सरकार द्वारा कौशल की रोजगार क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किया गया था। अपनी स्थापना के बाद से, एमएसडीई ने नीति, रूपरेखा और मानकों को औपचारिक रूप देने; नए कार्यक्रमों और योजनाओं का शुभारंभ; नए बुनियादी ढांचे का निर्माण और मौजूदा संस्थानों का उन्नयन; राज्यों के साथ भागीदारी; उद्योगों से जुड़ने और कौशल के लिए सामाजिक स्वीकृति और आकांक्षाओं का निर्माण करने के संदर्भ में महत्वपूर्ण पहल और सुधार किए हैं। मंत्रालय का उद्देश्य न केवल मौजूदा नौकरियों के लिए बल्कि सृजित नौकरियों के लिए भी नए कौशल और नवाचार के निर्माण के लिए कुशल जनशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच की खाई को पाटना है। स्किल इंडिया के तहत अब तक तीन करोड़ से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। स्किल इंडिया के तहत अब तक 5.5 करोड़ से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

अधिक जानकारी के लिए विजिट करें: https://www.msde.gov.in/